हिन्दी दैनिक

जौनपुर, लखनऊ व भदोहीं से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live &
dkunews24

वर्ष : 03 अंक–300 : जौनपुर, शुक्रवार 11 मार्च 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी : धर्म नगरी की बदलेगी तस्वीर

मथुरा भाजपा को इस बार मथुरावासियों ने एकतरफा समर्थन का तोहफा सभी पांच विधानसभा सीटों पर जीत के रूप में दिया है। यह परिणाम विकास की दृष्टि से अयोध्या के बाद अब धर्म नगरी मथुरा की तस्वीर को बदलेगा। यमुना एक्सप्रेसवे पर राया निकट नया वृंदावन और यहां से श्रीबांकेबिहारी के साथ श्रीद्वारिकाधीश मंदिर के लिए सिक्सलेन कॉरिडोर बनाया जाना है। पांच हजार करोड़ से बृज चौरासी कोस परिक्रमा का अयोध्या के पैटर्न पर प्रस्तावित स्वरूप अब अगले कार्यकाल में जमीन पर उतर सकता है। चुनाव प्रचार में आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इसकी तरफ इशारा भी करके गए हैं। भाजपा का चुनावी एजेंडा रहा मथुरा भगवान श्रीकृष्ण की जन्म और लीलास्थली मथुरा भाजपा का चुनावी एजेंडा रही है। पांच साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर खड़ा करने की कार्ययोजनाओं पर काम शुरू कर दिया है तो बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई शक्ल देने में जुटे हैं। प्रदेश की इन दोनों धार्मिक नगरियों में विकास का पहिया घूमने के साथ ही भाजपा सरकार ने मथुरा के लिए भी विकास का ड्राइंग तैयार कर लिया है। वर्तमान चुनाव से पहले ही यमुना एक्सप्रेसवे पर राया निकट नया वृंदावन बसाए जाने की योजना बनाई। अब यहां से वृंदावन के विश्व प्रसिद्ध श्रीबांकेबिहारी मंदिर और मथुरा में यमुना किनारे श्रीद्वारिकाधीश मंदिर तक भक्तों को पहुंचाने के लिए सिक्सलेन कॉरिडोर का खाका भी तैयार किया जा चुका है। नितिन गडकरी कर चुके हैं ये घोषणा इतना ही नहीं केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी पांच हजार करोड़

से ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा को अयोध्या की परिक्रमा के पैटर्न पर तैयार करने की घोषणा कर चुके हैं। इसी घोषणा को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी पूरा करने का भरोसा चुनाव दौरान मथुरा वासियों को दिया था। इतना ही नहीं मथुरा–बरेली मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में बदले जाने के साथ मथुरा–वृंदावन, यमुना एक्सप्रेसवे से वृंदावन, मथुरा से गोवर्धन मार्ग को फोरलेन में बदलना प्रस्तावित है। बृहस्पतिवार को आए चुनाव परिणाम मथुरा में पूरी तरह भाजपा के पक्ष में रहे हैं। मथुरा वासियों ने पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ते हुए सभी सीटों पर भाजपा को विजयश्री दिलाई है। ऐसे में आगामी कार्यकाल में इस धर्म नगरी के विकास की प्रस्तावित योजनाएं जमीन पर उतर सकती हैं। यह स्थिति मथुरा की तस्वीर को ही बदल कर रख देंगी।

सपा की सरकार नहीं बनी तो आहत युवक ने खाया जहर : एक दिन पहले वीडियो बनाकर किया था एलान

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ के चिनहट में रहने वाले युवक ने गुरुवार शाम को जहरीला पदार्थ खा लिया। युवक कल आये विधानसभा चुनाव के परिणाम से आहत था। समाजवादी पार्टी की सरकार न बनने से आहत होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। जानकारी होने पर परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के मुताबिक चिनहट के कमता निवासी विजय यादव उर्फ नरेंद्र (40) परिवार के साथ रहता है। वो विभूतिखंड के अवध बस अड्डे के बगल में स्थित पारिजात अपार्टमेंट के सामने चाय का ठेला लगाता है। नरेंद्र ने बुधवार को एक वीडियो बनाकर वायरल किया था, जिसमें उसने कहा था कि अगर 2022 में सपा की सरकार नहीं बनेगी तो जहर खाकर आत्महत्या कर लेगा। इसके बाद गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे उसने पारिजात अपार्टमेंट के पास जहरीला पदार्थ खा लिया। सड़क पर तड़पता देखकर आसपास के लोगों ने मामले की जानकारी उसके परिजनों

को दी। परिजनों ने आनन–फानन में उसे लोहिया अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। परिजनों के मुताबिक नरेंद्र कई दिनों से चाय का ठेला नहीं लगा रहा था। इंस्पेक्टर विभूतिखंड के मुताबिक वायरल वीडियो के बारे में जानकारी नहीं है। अस्पताल की मदद से युवक द्वारा जहरीला पदार्थ खाए जाने के बारे में जानकारी हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

कार्यकर्ताओं की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं – रमेश

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : दोबारा विधायक बनें रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि अधिकारी कर्मचारी कान खोलकर सुन लें कि भाजपा कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कत्तई बर्दाश्त नहीं की जाएगी । क्योंकि कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन भाजपा कार्यकर्ताओं पर जगह–जगह जानलेवा हमला करने वाले अराजक तत्वों पर पुलिस कार्यवाही करते हुए उन्हें तत्काल गिरफ्तार करे। वह गुरुवार की देर रात इंदिरा चौक पर क्षेत्रवासियों द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। जिला मुख्यालय से जीत का प्रमाण पत्र लेकर वापस क्षेत्र में जनता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए आ रहे विधायक मिश्र का धनियामऊ बाजार,कलिजरा मोड़, उसरा बाजार, रामजानकी मोड़ , सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पीजी कॉलेज के सामने, तथा इन्दिरा चौक पर कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्र वासियों ने पटाखों फोड़ते हुए, गाजे–बाजे के साथ फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया ! इस दौरान उन्होंने अपनी जीत का श्रेय भाजपा कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के मतदाताओं को दिया उन्होंने कहा कि मतदाताओं ने हमारे ऊपर विश्वास करके हमको अपना अमूल्य मत देकर विजय श्री दिलाई है! हम उनके मत के ऋण को मय ब्याज सहित विकास करके वापस करूंगा। इस दौरान स्वागत करने वालों में विनय सिंह, प्रयास उपाध्याय, प्रबंधक विनोद कुमार सिंह, अनिल पाण्डेय मुन्ना ,डॉ प्रमोद मिश्र, अनिल सिंह शक्ति, दिलीप जायसवाल, हनुमंत लाल शर्मा, सुनील चतुर्वेदी, राजदेव सिंह, उमाशंकर यादव ,मुन्ना लाल यादव, मोहम्मद इस्लाम मोहम्मद हारून, ज्ञानेंद्र सिंह पीटर सिंह, राजुल सिंह, मुन्नू मौर्या आदि लोग मौजूद थे।

विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 का निर्वाचन प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सकुशल संपन्न

– जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 का निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सकुशल संपन्न हुई।जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को प्रारम्भ से समाप्ति तक शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शीपूर्ण ढ़ग से सकुशल सम्पन्न कराने के लिए सभी मतदाता, प्रत्याशी, मा0 प्रेक्षकगण, रिटर्निंग आफिसर, सहायक रिटर्निंग आफिसर, जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट, माईक्रो आर्ब्जवर, पीठासीन एवं मतदान अधिकारी, सभी मतदान/मतगणना कार्मिक, पुलिस कर्मी, पत्रकार बन्धुओं सहित प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों को धन्यवाद व बधाई देते हुए आभार व्यक्त किया।

सभी आहरण वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागार में समस्त देयक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विलम्बतम् 25 मार्च तक प्रस्तुत करना अनिवार्य : जिलाधिकारी

जौनपुर सू.वि. : जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समस्त आहरण वितरण अधिकारी को अवगत कराया है कि सभी आहरण वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागार में समस्त देयक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विलम्बतम् 25 मार्च 2022 तक अवश्य प्रस्तुत कर दें, जिससे कि प्रस्तुत बिलों की आवश्यक चेकिंग के बाद कोषागार द्वारा बिलों की पासिंग तथा ई–पेमेण्ट के माध्यम से 31 मार्च 2022 तक भुगतान हेतु एथराईजेशन किया जा सके। क्योंकि 31 मार्च 2022 तक पारित बिलों का भुगतान ई–पेमेण्ट द्वारा 31 मार्च 2022 को ही निर्धारित समय अवधि में किया जायेगा। 25 मार्च 2022 के उपरान्त केवल उक्त तिथि के बाद शासन स्तर से निर्गत वित्तीय स्वीकृत्तियों के सापेक्ष ही देयक स्वीकार किये जायेगे अथवा तत्समय शासन स्तर से निर्गत अद्यावधिक निर्देश के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी। उक्त वर्णित शासनादेश का अनुपालन न करने तथा सामयिक आहरण के अभाव में किसी धनराशि के व्यपगत हो जाने पर सम्बन्धित अधिकारी उत्तरादायी होगें। अतः निर्देशित किया जाता है कि उपलब्ध बजट के मिलान व बिलो के प्रस्तुतीकरण का कार्य अनिवार्य रूप से समय से पूर्व करा लें, जिससे किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष केडी शर्मा ने भाजपा की प्रचंड जीत पर दी बधाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष केडी शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर संगठन के कार्यकर्ताओं एवं प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा है कि भाजपा की जीत के लिए राष्ट्रीय युवा वाहिनी के पदाधिकारियों

की प्रदेश में अहम भूमिका रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष केडी शर्मा ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर चलते हुए संगठन को उच्च स्तर पर ले जाने का कार्य करें। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वालंटियर भाजपा के प्रधान कार्यालय में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक–दूसरे को मिष्ठान खिलाकर एवं गुलाल लगाकर बधाई दी। और प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हर्ष और उल्लास के साथ विजय यात्रा निकाली।

टिकैत के गांव में भाजपा को जमकर मिले वोट : कोको पर भारी पड़ा हऊ : सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

मुजफ्फरनगर ब्यूरो : भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की राजधानी सिसौली में भाजपा को खूब वोट मिले हैं। रालोद के प्रत्याशी राजपाल बालियान को 34 सौ और भाजपा के उमेश मलिक को सिसौली में 3171 वोट ही हासिल हो सके। सिर्फ 229 वोट से भाजपा को यहां हार का सामना करना पड़ा। सिसौली भाकियू अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत और प्रवक्ता राकेश टिकैत का गांव है। दिलचस्प बात यह है कि कस्बे की पट्टी लेपरान के बूथ संख्या–168 पर भाजपा को 521 और रालोद को सिर्फ 185 वोट मिले। अंबेडकर भवन के बूथ पर भाजपा को 297 और गठबंधन के राजपाल बालियान को 178 वोटों से ही संतोष करना पड़ा। मतदान के दिन भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा था कि भाजपा की वोट कोक्को ले गई है, लेकिन टिकैत के गांव में सिर्फ 229 वोट का अंतर रहा। इससे पहले 2017 और 2019 में भी यहां भाजपा का दबदबा रहा था। यह कहा था राकेश टिकैत ने भाकियू प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने देसी अंदाज में कहा था कि कोको भाजपा के वोट ले गई है। मुजफ्फरनगर में अब कोई झगड़ा नहीं कर सकता। यहां आमजन, राजनीतिक दलों की हर चाल को समझ रहे हैं। अपने मुद्दों पर मतदान कर रहे हैं। दंगे वाला स्टेडियम यहां नहीं खुल खुलने देंगे। मतदान के बाद पत्रकारों से बातचीत में टिकट ने कहा था कि सबसे जरूरी भाईचारा

है। देश में आंदोलन जिंदा रहना चाहिए। सरकार को किसानों की मांग पूरी करनी चाहिए। चुनाव के सवाल पर कहा कि (कोको देसी भाषा में पक्षी को इंगित करने वाला शब्द) भाजपा की वोटों को ले गई है। किसान अपने मुद्दों पर मतदान कर रहा है। खेती पर लागत बढ़ गई है और किसान की आमदनी घट गई है। कहा कि मुजफ्फरनगर में भाईचारा कायम रहेगा, यहां कोई माहौल खराब नहीं कर सकता।

जैतपुरा थाने में 40 नामजद समेत 600 अज्ञात पर मुकदमा : माहौल खराब करने वालों पर कार्यवाही शुरू

वाराणसी ब्यूरो : यूपी विधानसभा चुनाव में खलल डालने और माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ वाराणसी कमिश्नरेट की पुलिस अब कार्रवाई में जुट गई है। बीते आठ मार्च को वाराणसी में ईवीएम अदलाबदली का आरोप लगाकर सड़क जाम करने, उपद्रव करने वाले 40 नामजद समेत 600 अज्ञात पर जैतपुरा थाने में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर जैतपुरा मथुरा राय की तहरीर पर शुक्रवार को यह कार्रवाई हुई है। इससे पहले इसी मामले में नौ मार्च को एडीजी जोन की गाड़ी पर पथराव करने, बवाल और उपद्रव मामले में 300 अज्ञात लोगों पर लालपुर–पांडेयपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। थाना अंतर्गत खजूरी निवासी अभिजीत सिंह की तहरीर पर भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। ईवीएम अदला–बदली की अफवाह पर किया था सड़क जाम इंस्पेक्टर जैतपुरा मथुरा राय ने बताया कि आठ मार्च की शाम उनकी ड्यूटी पहाड़िया स्थित स्ट्रांग रूम के पास लगी थी। पहड़िया पर सपा कार्यकर्ताओं ने ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाकर कर हंगामा किया जा रहा था। ईवीएम अदला–बदली की अफवाह को लेकर जैतपुरा के कमलगड्हा, छोहरा, पीलीकोठी, जैतपुरा छहमुहानी, ख्वाजापुरा, काजीसादुल्लाहपुरा, बड़ी बाजार, दोषीपुरा सहित आसपास के इलाकों के सैकड़ों लोगों ने गोलगड्डा तिराहे पर सड़क जाम कर दिया था। मतगणना प्रशिक्षण के लिए जा रहा था ईवीएम जब पुलिस उन्हें समझाने गई तो सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। जिला प्रशासन के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया। पुलिस के द्वारा जब लोगों को घर वापस जाने के लिए कहा गया तो सभी पुलिस पार्टी पर पथराव करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने अपना बचाव करते हुए हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर–बितर किया। पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए थे। उपद्रवियों के द्वारा जैतपुरा थाने की जीप को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। बता दें कि आठ मार्च की शाम पहड़िया मंडी स्थित स्ट्रांग रूम के बाहर पांच हजार से अधिक सपा कार्यकर्ताओं ने ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाकर बवाल किया था। जबकि मालवाहक वाहन से ईवीएम यूपी कॉलेज में कर्मचारियों के मतगणना प्रशिक्षण के लिए जा रहा था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगाई गई पुलिस टीम वाराणसी में ईवीएम को लेकर हुआ था बवाल इंस्पेक्टर जैतपुरा ने बताया कि केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है। इसके साथ ही अज्ञात आरोपियों को चिन्हित करने के लिए गोलगड्डा और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच की जा रही है। भाजपा का झंडा–बैनर लगे वाहन पर हमलावर हो गई थी भीड़ सड़क जाम के दौरान भीड़ चौकाघाट की ओर से आई एक एसयूवी कार पर भारतीय जनता पार्टी का झंडा और बैनर देखकर उग्र हो गई थी। भीड़ में शामिल उपद्रवियों ने कार सवारों को बाहर घसीटने के साथ वाहन में तोड़फोड़ भी की थी। इस दौरान हनुमान फाटक चौकी इंचार्ज शशी प्रताप सिंह और लाट भैरव चौकी इंचार्ज शिव सहाय ने मोर्चा संभाला और भीड़ से कार सवारों को बाहर निकाला। इसके अलावा भी सड़क जाम करने वालों ने गोलगड्डा तिराहे जाम में खड़े कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया था।

रेल पटरी दोहरीकरण कार्य के चलते 12 घण्टे बन्द रहा गुरैनी मार्टीनगंज सड़क मार्ग

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : रेल दोहरीकरण के चलते शुक्रवार को गुरैनी–मार्टीनगंज मार्ग दिनभर बंद रहा। जिससे राहगीर आवागमन को लेकर दिन भर हलकान रहे। राहगीरों को चार किलोमीटर घूम कर आना जाना पड़ा। जानकारी के अनुसार रेलवे विभाग द्वारा वाराणसी–फैजाबाद रेलमार्ग पर जफराबाद से फैजाबाद तक रेल दोहरीकरण का काम चल रहा है। शुक्रवार को मानीकला हाल्ट के 52 सी रेलवे क्रासिंग पर काम हो रहा था।क्रासिंग पर स्लीपर बदले जा रहे थे और नए सिलिपर लगाए जा रहे थे । गुरैनी–मार्टीनगंज मार्ग पर वाहनों की आवाजाही से काम करने में भी दिक्कत आ रही थी। इस वजह से सुबह आठ बजे से सायं आठ बजे सड़क मार्ग अवरुद्ध कर देना पड़ा। इससे बाइक समेत चार पहिया वाहनों को चार किमी घूमकर वाया भुड़कुड़हा गांव के रेलवे क्रासिंग के रास्ते से होकर जाना पड़ रहा है । सुरक्षा की दृष्टि से रेलवे क्रासिंग पर पुलिस तैनात रही।

सवर्ण और पटेल मतदाताओं ने सुनील को दिलाई जीत

वाराणसी ब्यूरो : रोहनिया विधानसभा सीट पर अपना दल (एस) और भाजपा गठबंधन प्रत्याशी डॉ. सुनील पटेल ने जीत दर्ज की। निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा–अद (क) के अभय पटेल को हराया। पटेल मतों को पाने में सुनील पटेल हद तक कामयाब हुए और वहीं अन्य वर्ग भी गठबंधन के साथ गए। सुनील पटेल को 118329 मत, अभय पटेल 71728, बसपा के अरुण पटेल 26226 मत और कांग्रेस के राजेश्वर पटेल को 16670 मत मिले। भाजपा के नाते सवर्ण और अपना दल (एस) से खड़ा होने के कारण पटेल मतों का झुकाव सुनील पटेल की ओर अधिक रहा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल की मिर्जामुराद में संयुक्त सभा ने भी हद तक जीत में अहम योगदान दिया। वहीं, यादव और अन्य जातियों का वोट पाकर सपा–अद (क) अभय पटेल दूसरे नंबर रहे और पिछले दो चुनाव से तीसरे नंबर पर रहने वाली बसपा इस चुनाव में भी तीसरे नंबर पर रहीं। बसपा के अरुण पटेल को सिर्फ दलित और पिछड़ों का परंपरागत वोट मिला। जबकि यूपी में जनाधार खो चुकी कांग्रेस के राजेश्वर पटेल को चौथे नंबर पर रहना पड़ा। पहले राउंड से सुनील पटेल ने बढ़त बनाई तो फिर हर राउंड में बढ़ते गए। बीच में कुछ ऐसे राउंड हुए कि जिसमें अभय पटेल ने बराबरी की कोशिश लेकिन कामयाब नहीं हो सके। अपना दल (एस) भाजपा गठबंधन प्रत्याशी डॉ. सुनील पटेल को लेकर शुरू से कहा जा रहा था कि सर्वण और पटेल मतों को पाकर जीत दर्ज कराएंगे।

जमीनी विवाद में चार घायल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गांव रामचौकी में शुक्रवार को जमीन विवाद में दो पक्षों मे जमकर मारपीट हो गई। पहले कहासुनी हुई बाद में मारपीट में तब्दील हो गई। घायलों में गीता 18, ललिता 45,अनुशिका 7 वर्ष पुत्री लाल बहादुर ,अजय 28 वर्ष जिन्हे उपचार हेतु मुंगराबादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां पर गीता की हालत गंभीर होने पर उन्हे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

वह अच्छाई जो बुरा करनें वाले को मदद करे, अच्छाई नहीं होती।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

वोलोदिमीर जेलेंस्की के सियासी सफर ने बदल दी पूरी धारणा

जेलेंस्की कभी रूस के दुश्मन नहीं रहे। वह खुद रूसी भाषा बहुत अच्छी बोलते हैं। यूक्रेन की तत्कालीन सरकार ने जब 2015 में रूसी कलाकारों के यूक्रेन में आने पर पाबंदी लगाई, तब भी जेलेंस्की ने इसका कड़ा विरोध किया। इसका खामियाजा उन्हें अपने ही देश में भुगतना पड़ा और यूक्रेन की सरकार ने 2018 में उनकी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लव इन द बिग सिटीदृ2 पर प्रतिबंध लगा दिया।

यह उस पेत्रोविच की कहानी है, जिसने अपने देश की राजनीति में भीतर तक फैले भ्रष्टाचार और सियासी सौदेबाजी को खत्म करने के इरादे से यूक्रेन की सियासत में भूचाल ला दिया। यूक्रेनी और रूसी भाषा की इस बेहद चर्चित टीवी सीरीज सर्वेंट ऑफ द पीपुल का यह नायक अप्रत्याशित तौर पर अपनी लोकप्रियता की बदौलत यूक्रेन का राष्ट्रपति बन गया।

यूक्रेनी संसद में तमाम आरोप–प्रत्यारोपों और भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे नेताओं के बीच उसके भीतर का गुस्सा इस कदर उबलता है कि वह संसद के सभी सदस्यों को गोलियों से भून देने की कल्पना तक कर लेता है। आज उस चर्चित नायक का वही रूप दुनिया देख रही है। अपने यूक्रेन के लिए जान तक देने का दावा करने वाले महज 44 साल के वोलोदिमीर जेलेंस्की के जज्बे ने रूस जैसी महाशक्ति को हिलाकर रख दिया है।

रूस बेशक उसे अमेरिका और पश्चिमी देशों के हाथों की कठपुतली करार दे, लेकिन महज तीन साल के अपने राजनीतिक करियर में ब्लादिमीर पुतिन जैसे शक्तिशाली नेता को भी 'पागल' कर देने वाले इस शख्स ने पूरी दुनिया को बता दिया है कि वह अपने देश की स्वतंत्रता के लिए आखिरी सांस तक लड़ सकता है।

पुतिन समेत दुनिया के तमाम नेता जेलेंस्की को जिस तरह सिर्फ एक कॉमेडियन करार देते हुए एक 'एक्सीडेंटल प्रेसिडेंट' मानते रहे, यूक्रेन पर हमले के बाद उनकी पूरी धारणा बदल गई है। यूक्रेन बेशक नाटो का सदस्य नहीं बन सका हो या सीधे तौर पर अमेरिका या नाटो के सदस्य देश रूस से खुली जंग में न आए हों, लेकिन जेलेंस्की के जज्बे ने उनके देश के आम लोगों में अपने देश के लिए मर मिटने का जुनून जरूर पैदा कर दिया है।

जेलेंस्की कभी रूस के दुश्मन नहीं रहे। वह खुद रूसी भाषा बहुत अच्छी बोलते हैं। यूक्रेन की तत्कालीन सरकार ने जब 2015 में रूसी कलाकारों के यूक्रेन में आने पर पाबंदी लगाई, तब भी जेलेंस्की ने इसका कड़ा विरोध किया। इसका खामियाजा उन्हें अपने ही देश में भुगतना पड़ा और यूक्रेन की सरकार ने 2018 में उनकी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म लव इन द बिग सिटीदृ2 पर प्रतिबंध लगा दिया।

17 साल की उम्र से लगातार अभिनय और टीवी प्रोडक्शन में सक्रिय रहने वाले जेलेंस्की की मां इंजीनियर और पिता प्रोफेसर रहे हैं और खुद भी उन्होंने कानून की पढ़ाई की है। लेकिन करियर उन्होंने टीवी और फिल्म को ही चुना। 2015 में उनका सबसे चर्चित टीवी सीरियल सर्वेंट ऑफ द पीपुल आया और 2019 तक उसके तीन सीजन आ गए।

इसमें एक इतिहास के प्रोफेसर के एक वायरल वीडियो से चर्चित होने के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति तक का किरदार निभाने वाले जेलेंस्की ने अपने देश में इतनी लोकप्रियता हासिल की कि 2018 में उन्होंने अपनी राजनीतिक पार्टी इसी नाम से बना ली दृ सर्वेन्ट ऑफ द पीपुल। 2019 में यूक्रेन में चुनाव हुए और जेलेंस्की ने अप्रत्याशित रूप से 73 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल कर अपने सीरियल के किरदार को हकीकत में बदल दिया।

उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको को बुरी तरह हरा दिया। पोरोशेंको से पहले यूक्रेन की सत्ता विक्टर यानुकोविच के हाथ में थी, जो रूस के समर्थक रहे और पुतिन के इशारे पर चलते रहे। लेकिन उनके खिलाफ विद्रोह तेज हुआ और उन्हें 2014 में हटाकर देश से निष्कासित कर दिया गया। फिलहाल वह मास्को में रहते हैं। पुतिन दोबारा उन्हीं को यूक्रेन की कमान सौंपने के लिए यह युद्ध लड़ रहे हैं।

उनके धारावाहिकों में खुलकर पुतिन के खिलाफ भी संदेश थे और तत्कालीन यूक्रेनी सत्ता के खिलाफ भी। जाहिर है, जेलेंस्की की विद्रोही और ईमानदार छवि ने ही उन्हें यूक्रेनी लोगों का प्रिय बना दिया। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा भी था कि वह चाहते हैं कि पेशेवर और सभ्य लोग सत्ता में आएं और उनकी कोशिश है कि लोगों में राजनीति को लेकर खराब और भ्रष्ट छवि को खत्म किया जाए।जेलेंस्की कब तक लड़ पाएंगे और किस सीमा तक पश्चिमी देश या अमेरिका उन्हें बचा पाएगा, कहना मुश्किल है, लेकिन यह तय है कि इस युवा नायक ने रूस के साथ इतने लंबे और जुझारू जंग का एक इतिहास तो लिख ही दिया है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

यूपी में फिर लहराया भगवा : समग्र विकास और कानून–व्यवस्था के राज ने दिलाई भाजपा को सफलता

लखनऊ ब्यूरो : करीब दो महीने पहले जब पश्चिम से चुनाव की शुरुआत हुई, तो सर्द हो रहे मौसम में चुनावी तस्वीर पर ओस की बूंदें जमी हुई थीं। बहुत कुछ धुंधला और उलझा हुआ सा था। 2017 के चुनाव में पश्चिम से भाजपा के पक्ष में चली हवा ने पूरे प्रदेश में तूफान जैसा रूप ले लिया था। पर, इस बार किसान आंदोलन से उपजे हालात और समाजवादी पार्टी–रालोद गठबंधन ने भाजपा की राह में कांटे बिछाए हुए थे। बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, आवारा पशुओं से फसलों के नुकसान जैसे मुद्दे हवा में तैर रहे थे। पिछड़ी जातियों के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य, दारा सिंह चौहान, धर्म सिंह सैनी और ओमप्रकाश राजभर सहित करीब दर्जन भर विधायकों ने भाजपा से पाला बदलकर जातीय समीकरणों को उलझा दिया था। मुस्लिमों और यादव वर्ग के एकतरफा समर्थन से सपा का एक बड़ा वोट बैंक तैयार हो गया था। इससे भाजपा के खेमे में चिंता बढ़ गई थी। पिछले चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत में इन नेताओं और उनकी जातियों के वोटों की अहम भूमिका थी। चुनाव के ऐन वक्त पहले लगे इन झटकों से भाजपा एकबारगी बैकफुट पर भी दिख रही थी। इन हालातों में चुनाव अभियान शुरू करते समय भाजपा के सामने तमाम मुश्किलें थीं। यही कारण था कि चुनाव घोषणा पत्र जारी होने में समय लगा। दोनों पार्टियों के चुनाव घोषणा पत्र मतदान से ठीक एक दिन पहले जारी हुए। वैसे बेरोजगारी दूर करने और बिजली सहित तमाम मुफ्त कल्याणकारी योजनाओं से भरे इन चुनावी घोषणा पत्रों के कुछ खास मायने नहीं रह गए थे, क्योंकि देरी होते देख दोनों पार्टियां टुकड़ों में घोषणाएं पहले से ही करने लगी थीं। यह माना जा रहा था कि अखिलेश यादव ने पुरानी पेंशन बहाली का दांव चल कर कर्मचारियों के एक बड़े खेमे को अपने पाले में कर लिया है। बसपा और कांग्रेस के कमजोर पड़ने से विपक्ष के वोटों के बंटवारे से मिलने वाले फायदे की उम्मीदें भी खत्म हो गई थीं। ऐसे में यह तय माना जाने लगा था कि योगी सरकार के कामकाज को अब कसौटी पर आम जनता परखेगी और यही भाजपा की जीत का आधार बन सकता है। स्पष्ट है कि मतदाताओं ने भाजपा सरकार के कामकाज पर भरोसा जताया और मुश्किल हालात में भी वापसी करके योगी ने इतिहास रच दिया है। यूपी में किसी भी मुख्यमंत्री ने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं की है। जीत के इस गणित में यूपी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू भी बेहद असरदार रहा। लेकिन इस वापसी के लिए बने समीकरणों पर गौर करना जरूरी है। चुनाव की शुरुआत में मंडल और कमंडल के मुद्दे प्रभावी तो थे, लेकिन उनकी धार में इतनी तीव्रता नहीं रह गई थी कि सिर्फ इन मुद्दों के सहारे चुनावी वैतरणी पार की जा सके। लेकिन भाजपा के पक्ष में कई ऐसे अहम मुद्दे थे जिससे आम वोटर कहीं न कहीं प्रभावित हो रहा था। इन सभी मुद्दों को जोड़कर आम जन में पांच साल के कामकाज के प्रति विश्वास की भावना लाना बेहद जरूरी था। अपराधग्रस्त राज्य का दंश झेलने वाले यूपी के आम लोगों के लिए पहला बड़ा मुद्दा सुरक्षा और कानून–व्यवस्था में सुधार का रहा, जिसने चुनाव को खासा प्रभावित किया। विशेषकर महिला सुरक्षा की स्थिति में आए बड़े बदलाव ने राज्य में अखिलेश यादव के उठाए गए मुद्दों की काट के तौर पर लगभग पूरे प्रदेश में भाजपा के लिए संजीवनी की तरह काम किया। यह एक ऐसा मुद्दा था जिसे महज दावा करके सही साबित नहीं किया जा सकता है। आम मतदाताओं ने सुरक्षा के हालात सुधरने का अहसास भी किया और खुल कर यह बोलता रहा कि योगी के राज में बहू–बेटियां सुरक्षित हैं। प्रदेश के बड़े–बड़े माफिया की अवैध संपत्तियों को बुलडोजर से ढहाना हर वर्ग को रास आया। रात में पूरे राज्य में सफर के दौरान सुरक्षा का भाव आम लोगों में आना, लूटपाट, चोरी–डकैती की घटनाओं पर नियंत्रण और गुंडाराज का खात्मा एक ऐसा मुद्दा बना जिस पर योगी सरकार को खुले मन से सबने पूरे राज्य में सराहा। बड़ी संख्या में मतदाता सिर्फ इस एक मुद्दे पर भाजपा के पक्ष में वोट देते नजर आए। उनका साफ कहना था कि महंगाई व अन्य समस्याएं तो झेल लेंगे, लेकिन चोरी, लूटपाट, गुंडागर्दी, युवतियों से छेड़छाड़ से उन्हें काफी हद तक मुक्ति मिली है और वे सुरक्षा के साथ चौन से रह पा रहे हैं। यह उनके लिए एक बड़ी राहत है। माफि या पर हुई सख्त कार्रवाई की वजह से पूरे चुनाव के दौरान बाबा का बुलडोजर और बदमाशों को ठोकने की नीति भी खासी चर्चा का विषय बनी रही। दूसरा बड़ा मुद्दा था विकास, जिसका श्रेय योगी सरकार को मिला। अब सवाल यह उठता है कि अपनी सरकार में विकास करने के दावे तो अखिलेश यादव ने भी किए थे। पर, अखिलेश और योगी के विकास के दावे में एक फर्क लोगों को साफ तौर पर दिखता था। अखिलेश का विकास सिर्फ लखनऊ के रिवर फ्रंट और सैफई तक सीमित थे। इसमें भी बड़े भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे। करीब सवा आठ सौ करोड़ से अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के लिए बना जेपीएनआईसी भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते कभी शुरू ही नहीं हो पाया। लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे के लिए भी यह आरोप लगे कि रास्ते में पड़ने वाले शहरों–कस्बों से दूर निकले इस एक्सप्रेसवे को सैफई की वजह से बनाया गया। दूसरी ओर भाजपा सरकार में राज्य के समग्र विकास पर जोर दिया गया। शहरों, कस्बों व गांवों में सड़कों की हालत में सुधार के साथ ही पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, मेरठ–दिल्ली एक्सप्रेसवे के काम को तेजी से बढ़ाया गया। साथ ही पानी संकट से जूझने वाले बुंदेलखंड के एक बड़े इलाके में पेयजल सप्लाई पर अच्छा काम किया गया। लखनऊ–कानपुर–बुंदेलखंड के बीच डिफेंस कॉरिडोर विकसित करने की योजना यद्यपि पूरी तरह से परवान नहीं चढ़ सकी, लेकिन इसकी शुरुआत हो गई है। कई शहरों में घरेलू हवाई अड्डों के साथ अयोध्या, कुशीनगर सहित पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की भी शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री के अपने क्षेत्र गोरखपुर और प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के विकास और विश्वनाथ कॉरिडोर से भी पूरे पूर्वांचल की तस्वीर बदलने लगी है। समग्रता में हुए इस विकास से आम लोगों में यह साफ संदेश गया कि योगी सरकार पूरे राज्य के विकास पर जोर दे रही है। चुनाव से पहले मतदाताओं से बातचीत के दौरान साफ दिखा। आम लोग विकास के नाम पर भाजपा को वोट देते दिखे। कोविड काल में शुरू हुई गरीबों को मुफ्त अनाज की सुविधा ऐसा तीसरा बड़ा मुद्दा था जिसने भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस योजना ने विशेषकर महिलाओं को भाजपा के पक्ष में खड़ा कर दिया। किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास सहित तमाम योजनाओं का पैसा लाभार्थियों के खाते में सीधे पहुंचने के कारण जाति, वर्ग विशेष, बेरोजगारी और आवारा पशुओं से नाराजगी वाले वोटों के जरिये भाजपा को घेरने की कोशिशों पर एक तरह से पानी फेर दिया। महीने में दो बार मुफ्त अनाज की योजना ने बढ़ती महंगाई से बने विरोध के माहौल को भी काफी हद तक शांत करने के साथ एक ऐसा वोट बैंक तैयार कर दिया जो बेहद मुखर होने के साथ भाजपा के साथ जाना ही पसंद कर रहा था। कोविड की दूसरी लहर के दौरान गंगा में लाशें मिलने से सरकार आलोचनाओं में घिरी थी, लेकिन बाद में स्वयं मुख्यमंत्री के कोरोना पीड़ित मरीजों के घर तक जाकर कोविड नियंत्रण के उपायों पर गंभीरता से पहल करने को काफी सराहा गया। सपा सरकार की तरह सिर्फ खास इलाकों में बिजली आपूर्ति के भेदभावपूर्ण नीति के बजाय पूरे राज्य में एक समान और बेहतर बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की गई। इससे भी चुनाव में मदद मिली। इसके साथ ही हिंदुत्व की कुंद हो रही धार को फिर से तेज करने के लिए भाजपा नेताओं ने इस मुद्दे को भी खुलकर उठाया जिससे कई जगहों पर वोटों का ध्रुवीकरण होता दिखा। विशेषकर पश्चिम में जहां मुस्लिम और जाटों का मजबूत गठबंधन होते देख बाकी बिरादरियों को एकजुट करने के लिए योगी आदित्यनाथ ने बेहद तीखे हमलों के साथ वोटों का ध्रुवीकरण करा कर सफलता पाई। इस बार के चुनावों में कई मिथक भी टूटे हैं। यह माना जाता है कि जो नोएडा का दौरा करेगा उसकी यूपी की सत्ता में कुर्सी चली जाएगी। लेकिन योगी न सिर्फ पूरे पांच साल निरंतर नोएडा के दौरे करते रहे, बल्कि चुनाव में वापसी भी कर दी है। मायावती और अखिलेश यादव हमेशा की तरह नोएडा के दौरों से दूर ही रहे। इन मिथकों को एक योगी ने ही तोड़ा। इससे शायद अंधविश्वास में घिरे रहने वाले भारतीय समाज को एक सकारात्मक दिशा मिलेगी। भाजपा के लिए सुनियोजित तरीके और मजबूत संगठन के जरिए चुनाव लड़ने की वजह से भी समाजवादी पार्टी कमजोर पड़ी। पहले दो चरणों में अपेक्षित सफलता न मिलने के अंदेशे को देख भाजपा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर निचले स्तर तक की पूरी मशीनरी चुनाव मैदान में तूफानी ढंग से कूद पड़ी। आवारा पशुओं की वजह से नुकसान को होते देख स्वयं प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में 10 मार्च के बाद इसका हल कर देने की घोषणा कर नाराजगी दूर करने का प्रयास किया। मुफ्त अनाज की योजना के लिए आम लोगों की संवेदनाएं जगाने के लिए उन्होंने नमकहरामी नहीं करने का जिक्रइशारों में किया। बाद में यह भी कहा कि वे लोगों से नमकहलाली करेंगे। अंतिम दो चरणों में तो योगी और मोदी ने पूरी ताकत झोंक दी और हर तरह से मतदाताओं को अपने पक्ष में मोड़ने के जतन किए। जिसका असर भी साफ तौर पर दिखा। दूसरी ओर पहले दो चरणों के बाद ही अखिलेश का चुनाव प्रचार अभियान बिखरने लगा था। तीसरे चरण के प्रचार में उन्होंने करहल में मुलायम सिंह और शिवपाल सिंह यादव को साथ में लिया और प्रयागराज में डिंपल यादव को चुनाव मैदान में उतारा, लेकिन उसका विशेष असर नहीं हो सका। अखिलेश की मुश्किलें यह रही कि मुस्लिम और यादव वोटों के अतिरिक्त वे सिर्फ जाटों को साथ जोड़ पाए। जाटों का प्रभाव पश्चिम की कुछ सीटों तक ही सीमित है, उसका भी लाभ रालोद को ज्यादा मिला। शेष प्रदेश में उनके पक्ष में एकमुश्त वोट किसी जाति के नहीं पड़ पाए। स्वामी प्रसाद मौर्या, ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान व धर्म सिंह सैनी जैसे जातीय समीकरणों से जुड़े नेताओं को उन्होंने अपने साथ जोड़ा, लेकिन ये नेता अपनी ही सीट बचाने में फंस कर रह गए और अखिलेश का यह प्रयोग भी विफल हो गया। इन जातियों के लोगों ने बार–बार पाला बदलने के अपने नेताओं के बजाय योगी सरकार के कामकाज पर ज्यादा भरोसा किया। इससे वोट प्रतिशत की लड़ाई में अखिलेश पिछड़ गए। नतीजतन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी। लेकिन चुनाव नतीजों ने काफी कुछ साफ संकेत या यूं कह लीजिए कि चेतावनी हर राजनीतिक दल को दी है कि यदि उनकी प्राथमिकता में जनहित नहीं है, तो उनकी नैया पार होना अब मुश्किल है। सिर्फ लोक लुभावन वादों और वर्गों–जातियों में समाज को बांटकर जीतने के ख्वाब लंबे समय तक टिकने वाले नहीं हैं। आम जनता की कसौटी पर खरा उतरने से पहले यह समझना जरूरी है कि असल में उनकी अपेक्षा क्या है, राज्य की प्रगति में क्या आड़े आ रहा है। इसे समझना अपरिहार्य है। इसे शायद योगी सरकार ने बेहतर ढंग से समझा। कानून–व्यवस्था, कोविड की वजह से मुश्किल में फंसे लोगों को मुफ्त अनाज और विकास के मोर्चे पर जमीनी स्तर पर काम करके एक बेहतर गवर्नेंस का अहसास कराया। लेकिन भाजपा की सरकार को यह भी समझना होगा कि जीत हासिल होने के साथ ही उसकी जमीन भी खिसकी है। उनकी सीटें यदि पिछली बार से कम हुई हैं तो यह साफ संदेश भी है कि कहीं न कहीं वोटर उनसे कुछ मुद्दों पर नाराज भी है। यह भी याद रखना होगा कि बेरोजगारों का सवाल कोई छोटा सवाल नहीं है। प्रयागराज में युवाओं पर लाठियां बरसीं तो क्यों, इसपर भी गंभीरता से चिंतन कर समाधान निकालना होगा। भाजपा सरकार को इन कमियों को दूर करना भारतीय जनता पार्टी की योगी सरकार के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। दो साल बाद ही लोकसभा चुनाव होने हैं और यूपी की योगी सरकार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विराट सत्ता को बचाने के लिए अपने कामकाज की अग्निपरीक्षा देनी होगी।

होली विशेष दो ट्रेनों का वाराणसी जंक्शन पर होगा ठहराव, छपरा–लखनऊ एक्सप्रेस कल निरस्त रहेगी

वाराणसी ब्यूरो : भारतीय रेल प्रशासन की ओर से कई होली विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसमें ट्रेन संख्या 01009–01010 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–मऊ–लोकमान्य तिलक टर्मिनस होली विशेष का संचालन लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15 मार्च और मऊ से 17 मार्च को एक फेरे के लिए होगा। वहीं ट्रेन संख्या 09061–09062 बांद्रा टर्मिनस–बरौनी–बांद्रा टर्मिनस होली विशेष ट्रेन का संचालन 15 मार्च को बांद्रा टर्मिनस और 17 मार्च को बरौनी से एक फेरे के लिए होगा। इन दोनों ट्रेनों का ठहराव वाराणसी जंक्शन पर होगा। छपरा–लखनऊ एक्सप्रेस कल नहीं चलेगी पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल बलिया–सहतवार खंड के दोहरीकरण कार्य के चलते कई ट्रेनों को निरस्त किया गया है। वाराणसी जंक्शन से गुजरने वाली ट्रेन संख्या 15053 छपरा–लखनऊ जंक्शन एक्सप्रेस 12 मार्च को निरस्त रहेगी। ट्रेन संख्या 05437–05438 गाजीपुर सिटी–प्रयागराज संगम–गाजीपुर सिटी अनारक्षित डेमू विशेष ट्रेन का संचालन सप्ताह में छह दिन किया जाएगा। प्रत्येक मंगलवार को मेंटेनेंस का कार्य के चलते निरस्त रहेगी। दो साल के बाद ट्रेनों में यात्रियों को मिलेंगे कंबल और चादर भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए पुरानी

व्यवस्था बहाल करने का एलान किया है। ठीक दो साल बाद ट्रेनों के एसी कोच के यात्रियों को फिर से कंबल और चादर मिलना शुरू हो जाएगा। कोरोना काल में इस पर रोक लगा दी गई थी। पाबंदी हटने से यह सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। कोरोना संक्रमण के दौरान 23 मार्च 2020 में ट्रेनों में कंबल और चादर पर प्रतिबंध लगा था। इससे यात्रियों को अपने साथ कंबल और चादर लाना पड़ता था। वहीं संक्रमण की दूसरी लहर के बाद वन टाइम यूज कंबल और चादर दिया जाने लगा। अब इस पर पाबंदी हटा दी गई है। अब सभी ट्रेनों के एसी कोच में कंबल और चादर यात्रियों को दिए जाएंगे। रेल अधिकारियों ने बताया कि बोर्ड के आदेश के बाद कवायद शुरू कर दी गई है। जल्द ही ट्रेनों में यह सुविधा शुरू कर दी जाएगी।

खुदाई में मिला अंजन सलाका और लटकन : लगभग 2500 साल पहले महिलाएं करतीं थीं उपयोग

वाराणसी ब्यूरो : वाराणसी के बभनियांव में प्राचीन शिवमंदिर के पास चल रही खोदाई में गुरुवार को बुद्धकालीन यानि 2500 साल पहले प्रयुक्त होने वाला अंजन सलाका मिला है। इसका प्रयोग उस समय महिलाएं आंखों में सूरमा लगाने के काम में करती थीं। बीएचयू के प्राचीन इतिहास विभाग की ओर से बभनियांव में इस समय तीन अलग–अलग जगहों पर खोदाई का काम चल रहा है। प्रो. अशोक कुमार सिंह ने बताया कि इसमें एक जगह से हाथी के दांत का बना लटकन मिला है। जिसे उस समय महिलाएं पहनती थी। इसके अलावा काले, धूसर एवं चमकीले लाल प्रकार के बर्तनों के टुकड़े भी मिले। मंदिर की खत्ती में संरचनाओं की रिकॉर्डिंग और फोटोग्राफी का कार्य चलता रहा। शिव मंदिर में जल निकासी के लिए नाली की भी मिली जानकारी बभनियांव में चल रही खोदाई में बीते मंगलवार को 1800 साल पहले की पकी मिट्टी के मुद्रांक मिले हैं। इस पर नंदी की आकृति के साथ ब्राह्मी लिपि में कुछ लिखा है। इसका अध्ययन करने में बीएचयू के साथ ही मैसूर और ग्वालियर के लिपि विशेषज्ञ जुटे हैं। वहीं यहां शिवमंदिर परिसर में चल रहे पुरा स्थल पर खोदाई में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था के लिए पत्थर की नाली के भी प्रमाण मिले हैं। प्रो. अशोक कुमार सिंह ने बताया कि बभनियांव में तीन जगहों पर खोदाई चल रही है। शिवमंदिर के पश्चिम की ओर 1800 वर्ष पूर्व की एक नंदी की बनी आकृति वाली मुद्रांक (सीलिंग)मिली है, जिसमें ब्राह्मी लिपि में लिखे कुछ अक्षर दिख रहे हैं। जिसे मैसूर से प्रो. मुनी रत्नम, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर के प्रो. अरविंद सिंह और बीएचयू में लिपि विशेषज्ञ प्रो. सीताराम दुबे प्रो. सुमन जैन मुद्रांक से संबंध के बारे में अध्ययन कर रहे हैं। इसके अलावा शिवमंदिर परिसर में प्रदक्षिणा पथ से मिट्टी के बने खपरैल के टुकड़े मिले हैं। जो कि दो हजार साल पुराने हैं। संभावना है की इन खपरैलों का प्रयोग प्रदक्षिणा के छाजन के रूप में किया गया होगा। मुख्य खत्ती में एकमुखी शिवलिंग के उत्तर तरफ मिले प्रणाल के आगे की खुदाई में पत्थर के एक अन्य प्रणाल के प्रमाण मिले। उन्होंने बताया कि मुख्य प्रणाल के आगे एक टंकी बनाई गई थी जो ध्वस्त हो गई है। टंकी (चौंबर) बनाने का प्रयोजन यह रहा होगा कि जो पूजन सामग्रियां शिवलिंग पर चढ़ाई जाती हो वह दीवार में बनी नाली में फंसने न पाए। सिर्फ पानी या तरल चढ़ावा ही नाली में जाए। जिस तरह से मंदिर के गर्भ गृह से महत्वपूर्ण प्रमाण मिल रहे हैं, उससे

स्पष्ट हो गया है कि मंदिर के स्थापत्य में महत्वपूर्ण नवीन आयाम जुड़ सकते हैं। बभनियांव में मिले शुंग कुषाणकालीन मिट्टी के बर्तन बभनियांव में चल रही खोदाई में शुंगकुषाणकालीन मिट्टी के बर्तन और तांबे का बना सुरमा लगाने वाला पात्र भी मिला है। इसके अलावा गांव के ही बगीचे से मध्यकालीन पत्थर अभिलेख भी मिला है, जिस पर नागरी लिपि में लिखा है, यह मध्यकालीन बताया जा रहा है। पिछले महीने बीस फरवरी से बीएचयू के प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. ओएन सिंह के निर्देशन में कराई जा रही खोदाई में हर दिन महत्वपूर्ण पुरावशेष मिल रहे हैं। प्रो. अशोक सिंह ने बताया कि बगीचे से जो प्रस्तर अभिलेख मिला है, उसमें नागरी लिपि में पांच पंक्तियों में लेख लिखा है।यह मध्यकालीन प्रतीत हो रहा है। अभिलेख को पढ़ने का प्रयास लिपि विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा खत्ती संख्या 03 में जिसमें शुंग शुंगकुषाणकालीन मिट्टी के बर्तन और पुरावशेष मिल रहे थे, वहां भी खोदाई कराई गई। इस दौरान बड़ी मात्रा में इस काल के मिट्टी के बर्तन मिले हैं। इसमें लाल एवं धुसर प्रकार के मिट्टी के बर्तन (कटोरे, ढक्कन, तसले, स्प्रिंकलर, बोतलनुमा बर्तन और घड़े) मिले हैं। प्रो. ओंकारनाथ सिंह और प्रो. अशोक कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को मिला अभिलेख बभनियांव के परवर्ती काल को समझने में काफी सहायक होगा। इसके अलावा मंदिर के प्रदक्षिणा पथ के नीचे हो रही खोदाई में मंदिर से निचले स्तर में शुंग कालीन (200 ईसा पूर्व) पकी ईंटों की संरचनाएं मिली थीं। इन संरचनाओं का मंदिर से कोई संबंध था या नहीं। इस बात का पता लगाया जा रहा है।

नकली मंगलामुखी को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

आगरा ब्यूरो : गांव हर्राजपुर में बृहस्पतिवार को एक युवक खुद को मंगलामुखी बताकर लोगों से होली का नेग वसूल कर रहा था। इस दौरान उसने कई लोगों से अभद्रता भी की। ग्रामीणों ने जब मंगलामुखी के सरदार को सूचना दी तो युवक के नकली होने की बात सामने आई। जिसके बाद युवक को पुलिस को सौंप दिया गया। थाना किशनी की कुसमरा चौकी क्षेत्र के गांव नगला भूपति का रहने वाला ग्रीश नागर बृहस्पतिवार को मंगलामुखी की तरह सज धज कर हर्राजपुर पहुंचा। वह मंगलामुखी बताकर लोगों से होली का नेग मांगने लगा। जब कुछ लोगों ने रुपये देने से मना किया तो उसके द्वारा अभद्रता की गई। शक होने पर ग्रामीणों ने क्षेत्र के मंगलामुखी के गुरू को सूचना दी। जानकारी करने पर पता चला वसूली कर रहा युवक मंगलामुखी नहीं है। इसके बाद कुछ मंगलामुखी ग्रामीणों के साथ गए और वसूली कर रहे नकली मंगलामुखी को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

चौकी पर नकली मंगलामुखी ने मंगलामुखी के सरदार रजनी से माफी मांगते हुए दोबारा से ऐसा न करने की बात कही। समाचार लिखे जाने तक पुलिस उस से पूछताछ कर रही थी।

बीजेपी को लगा झटका सपा ने ली बढ़त : भाजपा के दो विधायक हारे : राज्यमंत्री ने दुबारा जीत किया हासिल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जौनपुर जनपद की 9 विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ले लिया गुरुवार की सुबह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के स्ट्रांग रूम में रखी ईवीएम की मशीनों द्वारा सुबह 8:00 बजे से मतगणना का कार्य प्रारंभ हुआ । सबसे पहले बैलेट पेपरों की गिनती की गई उद्भ्रांत ईवीएम मशीनों से गणना का कार्य प्रारंभ हुआ। शुरुआती दौर में रुझानों को लेकर काफी गहमागहमी रही जैसे–जैसे शाम होती गई और मतों की गणना समाप्त होती रही वैसे इससे लोगों के दिलों की धड़कन भी तेज होती रही हर कोई जनपद की सदर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी गिरीश चंद्र यादव के परिणाम के बारे में जानने को लेकर उत्सुक रहे तो वही जनपद की हॉट सीट में मल्हनी को लेकर भी लोग काफी उत्सुक दिखे। विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में भले ही प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सत्ता हासिल करने में सफल हुई मगर जनपद में पार्टी को करारा झटका लगा है।भाजपा के दो विधायक जिनपर योगी सरकार ने भरोसा जताते हुए दुबारा चुनाव मैदान में उतारा था वो हार गए हैं। वही राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव को कड़ी मेहनत के बाद फिर जीत का ताज उनके सिर सजा है। वही मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के सीट में जबरदस्त इजाफा हुआ है जबकि बहुजन समाज पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया है।जिले की सबसे हॉट सीट मानी जाने वाले मल्हनी विधानसभा में सपा के पूर्व विधायक लकी यादव दोबारा जीत का परचम लहराया है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जनता दल यूनाइटेड के प्रत्याशी पूर्व सांसद धनंजय सिंह को करीब 16 हजार मतों से शिकस्त दी। लकी यादव को कुल 94677 मत मिले जबकि धनंजय सिंह को 78711 वोट प्राप्त हुए। बसपा के शैलेन्द्र यादव को 23552 मत हासिल हुए। भाजपा के केपी सिंह 18057 वोट पाकर चौथे स्थान पर रहें।बात करे जफराबाद विधानसभा में सपा की सहयोगी सुभासपा प्रत्याशी पूर्व मंत्री जगदीश नारायण राय 5458 वोट से विजयी हुए। उन्हें कुल 89494 मत प्राप्त हुए जबकि निवर्तमान भाजपा विधायक डा0 एचपी सिंह को 84036 वोट मिले। बसपा के संतोष मिश्र को 35069 मत हासिल हुए। मुंगराबादशाहपुर में सपा के पंकज पटेल को 5230 वोट से जीत मिली। उन्हें कुल 92048 मत मिले जबकि मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा के अजय शंकर दूबे 86818 वोट प्राप्त हुए। बसपा के दिनेश कुमार शुक्ला को 32507 मत मिले। शाहगंज विधानसभा में भाजपा गठबंधन निषाद पार्टी के रमेश सिंह 7848 मतों से विजयी हुए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पूर्व मंत्री सपा विधायक

शैलेन्द्र यादव ललई को 7848 मतों से शिकस्त दिया। केराकत विधानसभा में समाजवादी के उम्मीदवार पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने भाजपा विधायक दिनेश चौधरी को करीब 6 हजार मतों से हजराया। मडियाहूं विधानसभा में भाजपा सहयोगी अपना दल के डॉ आरके पटेल ने मुंगरा बादशाहपुर की पूर्व बसपा विधायक वर्तमान में सपा के सुषमा पटेल को पराजित किया। मछलीशहर विधानसभा में सपा उम्मीदवार डॉ0 रागिनी सोनकर ने भाजपा के मेहीलाल गौतम को शिकस्त दिया।सदर विधानसभा में पूर्व मंत्री गिरीश चंद्र यादव अपनी सीट बचाने में सफल रहे। कड़े मुकाबले में उन्होंने समाजवादी पार्टी के अरशद खान को पराजित किया।गिरीश चंद यादव को 22वें राउंड में कुल 90475 वोट मिले हैं जबकि समाजवादी पार्टी के अरशद खान को 85558 वोट मिले हैं। 4917 वोट से गिरीश यादव ने चुनाव जीता गए। वही बसपा के सलीम खान तीसरे तथा कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक नदीम जावेद चौथे स्थान पर रहे। बदलापुर विधानसभा में भी भाजपा प्रत्यशी रमेश चंद्र मिश्रा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी के ओम प्रकाश दुबे बाबा को शिकस्त देते हुए फिर जीत का परचम लहराया। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को चार, सपा को चार तथा भाजपा गठबंधन अपना दल को एक सीट हासिल हुई थी।वही इस बार दो बीजेपी एक गठबंधन अपना दल एस एक निषाद राज पार्टी 5 सीटों पर समाजवादी पार्टी ने अपना कब्जा जमाया है।

पत्रकार उत्पीडन एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्याग्रह आन्दोलन का 215वाँ दिन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सत्याग्रह आन्दोलन के 215वें दिन पत्रकार उत्पीडन, भ्रष्टाचार, जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी निस्तारण, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला एवं सिरकोनी बाजार (इजरी) की भीषण डकैती काण्ड के अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में 'सत्याग्रह आन्दोलन' जारी रहा। सत्याग्रह आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त ने बताया कि यह आन्दोलन जाँच के मुख्य बिन्दुओं पर कायम रहते हुए समस्या के निस्तारण तक जारी रहेगा। 9 अगस्त 2021 से यह आन्दोलन चलाया जा रहा है। आन्दोलन के समर्थन में संजय शुक्ला, बिहारी लाल यादव, चन्द्रमणि पाण्डेय, सन्तोष कुमार, प्रेम प्रकाश मिश्र, ओम प्रकाश यादव, विजय प्रकाश मिश्र, लालबहादुर यादव, भोलानाथ व अन्य

लोग उपस्थित रहे।

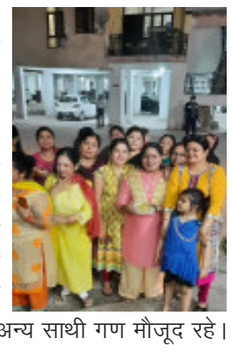

बदमाशों ने उपकारागार के जेलर पर किया जानलेवा हमला : फायरिंग भी की : अफसर ने छिपकर बचाई जान

सहारनपुर ब्यूरो : सहारनपुर जनपद के देवबंद में गुरुवार की रात का खाना खाने के बाद टहलने निकले देवबंद उपकारागार के जेलर पर बदमाशों ने जानलेवा हमला व फायरिंग की। जेलर ने पेड़ के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। हथियारों से लैस जेल के कर्मियों से खुद को घिरता देख बदमाश फरार हो गए। जेलर ने कार्रवाई के लिए देवबंद कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ये है मामला उपकारागार में तैनात जेलर रीवन सिंह गुरुवार रात करीब 8:30 बजे जेल की बगल में स्थित अपने सरकारी आवास से खाना खाने के बाद टहलने निकले थे। जब वह जेल परिसर में टहल रहे थे तो उसी दौरान परिसर की बाउंड्री वाल के पीछे से अचानक दो बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी। इस दौरान वह गोली लगने से बाल–बाल बचे और परिसर में खड़े पेड़ के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। वहीं फायरिंग की आवाज सुनकर जेल स्टाफ में अफरा–तफरी मच गई और जेल कर्मी मौके पर पहुंचे। बदमाश खुद को घिरता हुआ

देख मौके से फरार हो गए। इंस्पेक्टर प्रभाकर कैंतूरा ने बताया कि हवाई फायरिंग कर भागे बदमाशों का सुराग लग चुका है, उनकी धरपकड़ के लिए टीम गठित कर दी गई और दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

भाजपा नेता आमोद कुमार ने तेलीबाग चौराहे पर लड्डू वितरित कर मनाया जश्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के नगर मंत्री आमोद कुमार ने तेलीबाग चौराहे पर कार्यकर्ताओं एवं राहगीरों को

मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को बधाई दी और गुलाल लगाकर होली खेली।एक दूसरे को लड्डू खिलाए और तथा बधाई दी।

बीजेपी की सरकार बनने पर मनाई खुशियां

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला की जीत पर सिल्वर लाइन निवासियों ने अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की अवध क्षेत्र अध्यक्ष रागिनी अवस्थी के नेतृत्व में कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी लोगों ने मिठाई व पार्टी जय श्रीराम के नारे लगाए और यूपी में बीजेपी की सरकार बनने पर खुशियां मनाई उसमें उपस्थित मंदिर अध्यक्ष कुसुम मिश्रा महेश मिश्रा यूके मिश्रा अन्नू श्रीवास्तव अंशु बाजपेई रेखा शुक्ला शिवानी टंडन वंदना भारद्वाज निशा तिवारी मीना मिश्रा सुनीता सिंह अन्य साथी गण मौजूद रहे।

घर में घुसकर जेवरात समेत नकदी चोरी

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : बघरवारा गांव में गुरुवार रात एक घर का ताला तोड़कर चोरों ने जेवरात समेत 1 लाख रुपए नकदी पार कर दिया। पीड़ित परिवार को सुबह घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गांव निवासी तीरथ सिंह के घर मे रात को चोर किसी समय घुस गए और कमरों आदि का ताला तोड़कर उसमें रखी अटैची, बक्से आदि उठा ले गए। सुबह जब पीड़ित परिवार ने टूटे तालों आदि को देखा तो उनके होश उड़ गए। कमरों में रखे बक्से आदि गायब थे जो थोड़ी देर बाद घर से कुछ दूर टूटे फूटे हालत में गेहूं के खेत मे मिले। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है।

मछलीशहर तहसील में आर के कार्यालय की छत का गिरा प्लास्टर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : तहसील परिसर में स्थित रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय के कमरे की छत का प्लास्टर गुरुवार को अचानक टूट कर गिर पड़ा ।संयोग अच्छा रहा कि कर्मचारियों के मतगणना में होने के कारण कार्यालय में भीड़ नही थी जिससे कोई घायल नहीं हुआ। तहसील परिसर के कुछ कार्यालय और अधिवक्ताओं के बैठने वाले बरामदे का निर्माण बहुत पुराना होने के कारण गत कई वर्षो से जर्जर भवन की छत का प्लास्टर टूटकर गिर रहा है। जर्जर भवन का कमरा कभी भी गिर सकता है ।भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए तहसील प्रशासन द्वारा एक वर्ष पूर्व ही नोटिस चस्पा कर भवन से सुरक्षित दूरी बनाने का आग्रह किया गया है ।लेकिन भवन उपलब्ध नहीं होने के कारण अधिवक्ता और कर्मचारी उसी में बैतकर काम करते हैं ।लगभग 50 से अधिक अधिवक्ता,रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय और उससे सटा माल बाबू भी जर्जर अवस्था वाले भवन में काम करते है ।बरसात के पहले ही रजिस्ट्रार कानूनगो कार्यालय की छत का एक बड़ा हिस्सा कल टूट कर गिरा था ।उक्त कार्यालय उस दिन बंद नहीं होता तो 10–20 लोग निश्चित तौर पर उसमें मौजूद रहते हैं , और तब किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता था ।गुरुवार को भी संयोग से कार्यालय में कोई मौजूद नहीं था जिससे कोइ घायल नही हुआ। बहरहाल हादसे के बाद से लोग सहम गये है।

18906 मतो से की जीत हासिल : क्षेत्र की जनता के प्रति प्रकट किए आभार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : 11 मार्च केराकत विधानसभा क्षेत्र की सीट से पूर्व सांसद तुफानी सरोज ने 18906 मतो से जीत हासिल किए पूर्व सांसद तुफानी सरोज को कुल मत 98081 मिला वहीं भाजपा के प्रत्याशी दिनेश चौधरी को 79175 मत से संतोष करना पड़ा जीत के बाद उनके दरवाजे पर उनका स्वागत करने लिए कार्यकर्ताओं का लाइन लगी रही अपने स्वागत में पूर्व सांसद ने कहा कि यह हमारी जीत नहीं है केराकत विधानसभा क्षेत्र के जनता की जीत है उन्होंने केराकत विधानसभा क्षेत्र के जनता के प्रति जीत का आभार प्रकट किए। केराकत विधानसभा क्षेत्र के सीट से सपा का परचम लहरा कर कार्यकर्ताओं के और क्षेत्र की जनता का मनोबल को बढ़ाए है । पूर्व सांसद ने कहा कि जिस उत्साह से केराकत विधानसभा क्षेत्र की जनता ने रात दिन एक कर चुनाव लड़ी है यह जीत जनता की जीत है उन्होंने कहा कि हम केराकत क्षेत्र के लोगों का हमेसा ऋणी रहेगे।

सीएचसी में एंटीरेविज न होने से मरीज परेशान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोभी में बीते तीन दिनों से एंटीरेविज उपलब्ध न होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है ।मरीजों को बाहर से महंगे एंटीरेविज लगवाना पड़ रहा है। सीएचसी पर आने के बाद उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है जिसका नतीजा अस्पताल गेट के पास दवा दुकानों से मरीजो द्वारा अधिक कीमत देकर सुई लगवाना मजबूरी है ।तीन दिन में दर्जनों मरीज वापस हुए तो इस संबंध में चिकित्साधीक्षक ड्रा एस के वर्मा ने बताया कि दो दिनों से नही है आज शाम तक आ जाएगी।

नव आगंतुकों का स्वागत और अंतिम वर्ष के छात्रों की दी विदाई

वाराणसी ब्यूरो : राजकीय स्नातकोत्तर आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में नवप्रवेशी स्नातकोत्तर छात्रों का स्वागत और अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह आयोजित हुआ। प्राचार्य प्रो. नीलम गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्रों ने अपना परिचय दिया। महाविद्यालय में इस सत्र में 38 सीटों पर पंचकर्म विभाग, रोग निदान विभाग, स्त्री एवं प्रसूति विभाग, रस शास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग, संहिता विभाग, शल्य तंत्र विभाग में दाखिला हुआ है। अंतिम वर्ष के छात्रों ने अपने एमडी के तीन सालों के दौरान जो अनुभव और ज्ञान प्राप्त किया उसे सभी के साथ साझा किया। इस दौरान क्षेत्रीय आयुर्वेद अधिकारी डॉ. भावना द्विवेदी, प्राचार्य प्रो. नीलम गुप्ता, डॉ. विनय मिश्र, प्रो. संजय पांडेय, डॉ. मनोहर राम, डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. पद्मलोचन शंखुआ, डॉ. शशि सिंह, डॉ.राम निहोर तपसी, डॉ. मनीष मिश्र आदि मौजूद रहे।

गीत सोम के क्षेत्र में अनुसूचित जाति के घरों पर हमला : लाठी–डंडों से की तोड़फोड़

मेरठ ब्यूरो : मेरठ जनपद में सरधना क्षेत्र के सलावा गांव में देर रात अनुसूचित जाति के लोगों के घरों पर हमला किया गया। यही नहीं घर में तोड़फोड़ भी की गई है। बताया गया कि चुनाव हारने से नाराज कुछ लोगों ने हमला किया है। बताया जा रहा है कि मतदान के दिन भी अनुसूचित जाति के लोगों को वोट डालने से रोका गया था। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। सरधना के सलावा गांव की अनुसूचित जाति की बस्ती में घुसकर कुछ अज्ञात युवकों ने घरों पर हमला किया। उन्होंने घरों के दरवाजों में डंडे भी मारे। इस दौरान एक घर के बाहर खड़ी कार के शीशे भी तोड़ दिए गए। वहीं पीड़ित लोगों ने मामले की शिकायत थाना पुलिस से की है। गौरतलब है कि सलावा गांव में अनुसूचित जाति के लोगों ने मतदान के दिन भी मारपीट का आरोप

लगाया था। इस मामले को विधायक की हार से जोड़कर देखा जा रहा है। इस संबंध में सीओ सरधना आरपी शाही का कहना है कि सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

तिलकधारी महिला महाविद्यालय जौनपुर में विशेष शिविर के आज तीसरे दिन निकाली गई सामूहिक रैली

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : " राष्ट्रीय सेवा योजना" तिलकधारी महिला महाविद्यालय जौनपुर में विशेष शिविर के आज तीसरे दिन सरस्वती वंदन एवं पीटी करने के पश्चात तीनों इकाइयों की स्वयंसेवीकायें अपने अपने कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण पर सामूहिक रूप से एक रैली निकाली गई !इस रैली को महाविद्यालय के उप प्रबंधक डॉ डी. आर .सिंह एवं प्राचार्य डॉ वंदना सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान किया! यह रैली महाविद्यालय से निकलकर लाइन बाजार से होते हुए पुलिस लाइन व वाजिदपुर दक्षिणी टीडी कॉलेज का भ्रमण करते हुए महाविद्यालय परिसर में आकर समाप्त हुई इस रैली में स्वयं सेविकाओं द्वारा विभिन्न स्लोगन "कन्या संतान बचानी है भ्रूण हत्या मितानी है "!"मानवता पर दाग न लगाओ बेटा बेटी का भेद मिटाओ "के द्वारा लोगों को जागरूक किया आज के बौद्धिक सत्र में श्रीमती शकुंतला शुक्ला जी वरिष्ठ अधिवक्ता लोक अदालत की सदस्य कलेक्ट्री कचहरी रही उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी स्वयं सेविकाओं का जमकर उत्साह वर्धन किया और शिविर की जमकर सराहना की !उन्होंने कहा कि जब एक बालक पढ़ता है तो एक व्यक्ति पढ़ता है लेकिन जब एक बेटी पढ़ती है तो पूरा समाज राष्ट्र परिवार आगे बढ़ता है !स्वयं सेविकाओं से राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बोली

"हर पल की मेहनत को काम से जुड़ेंगे पूजा भी यही होगी जब आराम को छोड़ेंगे "जीवन में हमेशा धर्म को धारण करना चाहिए !आए हुए अतिथि का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर शालिनी सिंह ने धन्यवाद डॉक्टर पूनम सिंह ने तथा संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजश्री ने किया! स्वयं सेविका नेहा मीनाक्षी शाहिदा सानिया रितिका ने रंगारंग कार्यक्रम से अतिथि का मन मोह लिया!

मोदी जी, हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि एमसीडी चुनाव मत टालिए : मुख्यममंत्री अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली ब्यूरो : दिल्ली में चुनाव आयोग द्वारा नगर निगम के चुनाव टालने और इसके पीछे दी गई दलीलों को लेकर मुख्यममंत्री अरविंद केजरीवाल ने नाराजगी जताई है। उन्होंने चुनाव आयोग पर केंद्र सरकार के आगे झुकने का भी आरोप लगा दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र पर जानबूझकर संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप भी लगाया है। केजरीवाल ने प्रेस वार्ता की शुरुआत करते हुए कहा, दिल्ली में नगर निगम के चुनाव होने थे जिसे लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने 9 मार्च को सुबह एक प्रेस इनवाइट जारी किया था शाम 5.00 बजे तक आयोग चुनाव की तारीखों का एलान करेगा। उसी शाम एक घंटे पहले शाम चार बजे केंद्र ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी कि हम दिल्ली के तीनों निगमों को एक करना चाहते हैं, इसलिए आज चुनाव टाल दें। केजरीवाल का आरोप है कि इसके बाद चुनाव आयोग ने एमसीडी के चुनाव टालने का एलान कर दिया। शायद देश के 75 सालों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ होगा कि केंद्र सरकार ने सीधे किसी राज्य के चुनाव आयोग को चुनाव टालने के लिए कहा होगा। 'निगमों का एकीकरण तो बहाना है, आप की लहर से डर गई है भाजपा' केजरीवाल ने पूछा कि, भाजपा शासित सरकार बीते लगभग आठ साल से केंद्र में है और अगर उन्हें तीनों निगमों को एक ही करना था तो पहले क्यों नहीं किया। चुनाव की तारीखों के एलान से ठीक पहले ऐसा क्यों किया गया? उनका कहना है कि निगमों का एकीकरण तो बहाना है, मकसद चुनाव टालने का था क्योंकि भाजपा को लगता है कि दिल्ली में आप की लहर है जिसमें भाजपा बह जाएगी और एमसीडी चुनाव हार जाएगी। सीएम केजरीवाल बोले, लोग कह रहे हैं तीनों नगर निगम को एक करने के लिए चुनाव टालने की क्या जरूरत है। अभी तीन निगम हैं तो तीनों के पार्षद और मेयर अलग–अलग बैठते हैं। अगर तीनों एक हो जाएंगे तो चुनाव के बाद एक साथ बैठेंगे और जब तक तीनों निगम एक नहीं होते तब तक पुरानी व्यवस्था के अनुसार अलग–अलग बैठते रहेंगे। इसमें चुनाव रोकने की क्या जरूरत है? लेकिन मकसद निगमों को एक करने का नहीं बल्कि चुनाव टालने का है। 'मोदी जी, मैं आपसे हाथ जोड़कर विनती करता हूं मुख्यमंत्री बोले ये दोनों चीजें देश के लिए अच्छी नहीं हैं। एक केंद्र का चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखकर चुनाव टालने के लिए कहना और दूसरा चुनाव आयोग का केंद्र के सामने झुककर चुनाव टाल देना, दोनों ही अच्छा नहीं है। सीएम बोले, मैं हाथ जोड़कर मोदी जी से अपील करता हूं, सरकारें आती–जाती रहेंगी। कल आप नहीं होंगे, मैं नहीं रहूंगा लेकिन ये देश रहेगा। हम इंपॉर्टेंट नहीं हैं, पार्टियां इंपॉर्टेंट नहीं हैं, देश है। केजरीवाल का कहना है कि अगर पार्टियों के कहने पर चुनाव आयोग चुनाव टालता है तो इससे आयोग कमजोर होता है। आयोग कमजोर होता है तो देश कमजोर होता है। हम सबको मिलकर देश की रक्षा करनी है। किसी भी हालत में हमें देश को कमजोर नहीं होने देना है, संस्थाओं को कमजोर नहीं होने देना है। वह बोले, मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है चुनाव कैंसिल मत कीजिए। यह जनतंत्र के लिए बहुत बड़ा आघात है। 'मुझे नहीं पता चुनाव आयोग पर ईडी–सीबीआई किस तरह का दबाव या धमकी डाली गई' केजरीवाल बोले कि, आज कहा जा रहा है कि निगम को एक करने के लिए चुनाव टाले जा रहे हैं। कल को अगर लोकसभा के चुनाव होने होंगे और ये कहने लगें कि ये पार्लियामेंट सिस्टम अच्छा नहीं है, हमें प्रेसिडेंशियल सिस्टम लागू करना है चुनाव टाल दो क्या चुनाव टाल दिए जाएंगे? मुझे नहीं पता कि राज्य चुनाव आयोग ने किस दबाव, किस धमकी ईडी, सीबीआई किसके डर से चुनाव टाला। या वो अप्रैल में रिटायर हो रहे हैं तो उन्हें कोई पोस्ट रिटायरमेंट कोई लालच दिया गया है, मुझे नहीं पता कि क्या दिया गया है लेकिन वो तुरंत एक घंटे के अंदर चुनाव टालने के लिए तैयार हो गए। केजरीवाल ने कहा कि मैं स्टेट इलेक्शन कमिश्नर से भी कहना चाहता हूं कि अगर आप ऐसे चुनाव टालेंगे तो जनतंत्र ही नहीं बचेगा। मुझे नहीं पता आपको क्या धमकी दी गई, आप पूरे देश को बाहर आकर बता दीजिए आपको क्या धमकी दी गई या दबाव डाला गया। पूरा देश आपके साथ है।

स्मृति ईरानी का केजरीवाल पर पलटवार : पूछा– आखिर सात साल तक क्यों रोक कर रखा फंड?

नई दिल्ली ब्यूरो : केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने केंद्र के दबाव में एमसीडी के चुनाव टालने की घोषणा कर दी है। केजरीवाल ने कहा कि शायद देश के 75 सालों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ होगा कि केंद्र सरकार ने सीधे किसी राज्य के चुनाव आयोग को चुनाव टालने के लिए कहा होगा। स्मृति ईरानी ने मुख्यमंत्री केजरीवाल से सवाल किया है कि आखिर सात साल एमसीडी का फंड क्यों रोका। कहा कि पार्कों, अस्पतालों और कम्युनिटी सेंटर का पैसा क्यों रोका। एससीडी सुधार को केजरीवाल ने मंजूरी क्यों नहीं दी। एमसीडी को 13 हजार करोड़ रुपये से वंचित रखा। साथ ही विकास कार्यों का पैसा जानबूझकर रोका। इतना ही नहीं सफाईकर्मियों का पैसा भी रोका।

राम नगरी अयोध्या में केसरिया किला की दीवारे दरकाने में कामयाब रही सपा : भाजपा को मंथन करने की जरुरत

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) राम की नगरी अयोध्या इस बार उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सुर्खियों में बनी रही। इसी कारण चुनाव अयोध्या पर प्रदेश ही नहीं पूरे विश्व की नजरें टिकी थी।यह चुनाव इस बार कई मायनों में अहम था। जिस राम मंदिर के नाम पर भाजपा सत्ता में आई आज उसी मंदिर का निर्माण चल रहा है। ऐसे समय में भाजपा अयोध्या विधानसभा की पांचों सीट जीतेगी या फिर हार का सामना करना पड़ेगा, यह जानने के लिए हर कोई उत्सुक था।लेकिन इस बीच राम नगरी अयोध्या में पाँच विधानसभा में से तीन पर भाजपा व दो पर सपा फतेह प्राप्त किया।हालांकि इस बार भाजपा यहां से 2017 के मुकाबले पांचों सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई।केवल सीट से ही संतुष्ट करना पड़ा। गोसाईगंज और मिल्कीपुर विधानसभा भाजपा को हारना पड़ा। यूं कहा जाए कि अयोध्या में विजय मिलने के बाद भी भाजपा के केसरिया किले को सपा ने दो सीटें जीतकर केसरिया किले की दीवरे दरका दिया है।अयोध्या सीट पर विजय हासिल करने के बावजूद यहां केसरिया किला बचाने में भाजपा कामयाब नहीं रही।भाजपा 2017 वाला प्रदर्शन इस बार दोहरा नहीं सकी। 2017 में भाजपा की झोली में 5 सीटें आई थी। इस बार भाजपा को केवल 3 सीटों से संतोष करना पड़ा। सपा ने एक बार फिर भाजपा के किले में 2 सीटें निकाल लिया।हालांकि भाजपा अयोध्या विधानसभा को बचाने में कामयाब रही। भाजपा के वेद प्रकाश गुप्ता ने समाजवादी पार्टी के तेज नारायण पांडे को 19000 मतों से पराजित किया।वही समाजवादी पार्टी के तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडे पहले चरण से ही भाजपा की वेद प्रकाश गुप्ता से पीछे रहे। कई राउंड में बढ़त के बावजूद भी वह अंतर की खाई को पाटने में नाकाम साबित हुए। अयोध्या की पांचों विधानसभाओं में अयोध्या विधानसभा पर सबकी निगाहें टिकी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां पर 47 वीं बार आकर रोड शो कर जनता से भाजपा के लिए वोट करने की अपील किया था, उपमुख्यमंत्री यहां के कारोबारियों को मनाने के लिए आ गए थे। भाजपा के जेपी नड्डा चुनावी सभा करके जनता को मानते हुए एक बार फिर अयोध्या विधानसभा से भाजपा को जीत दिलाने की अपील किया था। अयोध्या की जनता ने एक बार फिर भाजपा पर विश्वास करते हुए आशीर्वाद दिया। जिसके चलते एक बार फिर भाजपा 19000 वोटों के अंतर से जीत हासिल कर केसरिया किला बचाने में कामयाब रही है।जबकि भाजपा ने अयोध्या रुदौली और बीकापुर सीट पर दोबारा जीत हासिल किया, लेकिन मिल्कीपुर और गोसाईगंज से हार का सामना करना पड़ा। मिल्कीपुर से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों पूर्व कैबिनेट मंत्री अवधेश प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी गोरखनाथ को पराजित किया।हालांकि अवधेश प्रसाद के लिए भी यह आसान जीत नहीं दिखाई दे रही थी। भाजपा प्रत्याशी गोरखनाथ कई राउंड की मतगणना में अवधेश प्रसाद से आगे रहे। लेकिन इसके बावजूद भी भाजपा को यहां हार का सामना करना पड़ा।वही गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी अभय सिंह ने भाजपा प्रत्याशी आरती तिवारी को पराजित करने में कामयाब रहे। अभय सिंह पहले राउंड से ही बढ़त दर्ज करते हुए अंतिम राउंड तक की बढ़त दर्ज कर सपा को यह जीत दिलाई। अभय सिंह को 102226 वोट प्राप्त हुआ। जबकि आरती तिवारी को 90240 वोट मिले। जिसके चलते भाजपा को एक बार फिर अपने केसरिया किला में ही 2 सीटें गंवानी पड़ी। और सपा को भाजपा के इस किले में दो सीटें मिल गई।

ब्रज में छाया रंगोत्सव का उल्लास : राधारानी के गांव में बरसेंगी प्रेमपगी लाठियां

मथुरा ब्यूरो : ब्रज में लड्डू होली के साथ रंगोत्सव का उल्लास चरम पर पहुंच गया है। मथुरा के बरसाना में विश्व प्रसिद्ध लठामार होली की धूम मची हुई है। आज बरसाना की राधारानी स्वरूप गोपियां नंदगांव के हुरियारों पर प्रेमपगी लाठियां बरसाएंगी। लाठियों संग होली के रंग बरसेंगे। इसे लेकर शुक्रवार सुबह से राधानगरी में उत्साह और उल्लास छाया हुआ है। इस अनूठी परंपरा का साक्षी बनने के लिए देश–विदेश से हजारों श्रद्धालु बरसाना पहुंच गए हैं। ब्रज में उत्सव का माहौल है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से जगह–जगह रंगोत्सव के तहत आयोजन हो रहे हैं। इसमें लोक कलाकार ब्रज की संस्कृति के रंग बिखेर रहे हैं। नंदगांव के हुरियारों को गुरुवार को बरसाना में होली खेलने का निमंत्रण भेजा गया। न्योता मिलने के बाद हुरियारे अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गए। शुक्रवार को बरसाना प्रस्थान से पूर्व गोस्वामीजनों द्वारा चौपाई निकाली गई। इधर, रंगोत्सव में पूरा बरसाना झूम रहा है। नंदगांव के हुरियारे बरसाना जाते समय संकेतवट मार्ग से प्रियाकुंड पहुंचेंगे। जहां बरसाना के लोग उनकी अगवानी भांग–ठंडाई और रंग–गुलाल आदि लगाकर करेंगे। शाम को करीब साढ़े चार बजे रंगों की होली खेली जाएगी। समाज गायन के बाद रंगीली चौक पर लठामार होली का आयोजन

होगा। हंसी, ठिठोली, गाली, अबीर–गुलाल और लाठियों से खेली जाने वाली इस अनूठी होली को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु बरसाना पहुंच गए हैं। सुबह से ही राधारानी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। पूरा बरसाना राधे–राधे के जयकारों से गूंज रहा है। बरसाना में विश्व प्रसिद्ध लठामार होली को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पूरे बरसाना कस्बे में चप्पे–चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा 24 से ज्यादा स्थानों पर पार्किंग भी बनाई गई है।

योगी आदित्यनाथ के नाम पर धर्मसापेक्ष राजनीति की विजय – हिन्दू महासभा

अयोध्या (संवाददाता) सुरेंद्र कुमार।उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार को विधानसभा चुनाव में पुनः बहुमत प्राप्त होने पर अखिल भारत हिन्दू महासभा ने बधाई एवं शुभकामनाये दी है। महासभा के अयोध्या जिलाध्यक्ष अधिवक्ता राकेश दत्त मिश्र ने योगी आदित्यनाथ की दोबारा सरकार स्थापित होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव छद्म धर्मनिरपेक्ष ताकतों और धर्म सापेक्ष ताकतों के बीच सम्पन्न हुआ , जिसमे योगी आदित्यनाथ के रूप में धर्म सापेक्ष राजनीति की विजय हुई । उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ की विजय ने देश को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब हिन्दू समाज जाति–पात की जंजीरों को तोड़कर जागरूकता और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है , जो देश की राजनीति के लिए सुखद संयोग है । यह जानकारी जिला महामंत्री भानु प्रताप सिंह ने आज जारी बयान में दी । भानु प्रताप सिंह ने बयान में कहा कि छद्म धर्मनिरपेक्ष ताकतों के विरुद्ध मतदाताओं ने एकजुट होकर जिस प्रकार योगी आदित्यनाथ के पक्ष में मतदान किया , वो देश की भावी राजनीति के लिए हवा का ताजा झोंका के समान है । उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने मुस्लिम तुष्टिकरण और जेहादी ताकतों को आश्रय देने वाले राजनीतिक दलों को भारतीय राजनीति के नेपथ्य में भेज दिया है।हिन्दू महासभा के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रामधान निषाद प्रधान जी ने योगी आदित्यनाथ की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के 37 वर्षों के इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने लगातार दो बार सत्तारूढ़ होने का गौरव प्राप्त किया है । उन्होंने कहा कि इस जीत ने प्रमाणित किया है कि अब नए हिन्दू भारत का उदय हो रहा हैं और देहद्रोही , जेहादी और विघटनकारी शक्तियां हाशिये पर आ गई हैं।

शोहदे ने लड़की को दो मंजिला भवन से नीचे फेंका : टूटी रीढ़ की हड्डी

लखनऊ ब्यूरो : लखनऊ के पारा के हंसखेड़ा चौकी क्षेत्र में रहने वाली कक्षा सात की छात्रा से शोहदे ने छेड़छाड़ की, विरोध करने पर आरोपी ने किशोरी को दो मंजिला भवन से नीचे फेंक दिया और भागने लगा। भाग रहे आरोपी को मकान मालकिन ने पकड़ लिया और सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया हैं। बेटी के भवन से नीचे गिरने की सूचना मिलते ही मौके पर उसके

पिता पहुंचे और घायल बेटी को पास के ही निजी हास्पिटल में भर्ती कराया। जहां किशोरी की रीढ़ की हड्डी टूट जाने के कारण उसका गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। हंसखेड़ा चौकी क्षेत्र निवासी एक निवासी 14 वर्षीय किशोरी कक्षा सात की छात्रा है। किशोरी के माता–पिता डा. शकुंतला मिश्रा विवि में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। पिता विवि में काम करता हैं और उसकी मां विवि के आवासीय परिसर में रहने वाले प्रोफेसरों के घरों में चौका बर्तन का काम करती हैं। किशोरी के पिता के मुताबिक कॉलोनी में ही दूसरे समुदाय का 16 वर्षीय किशोर रहता है, जो काफी दिनों से स्कूल जाने के दौरान बेटी का पीछा कर छेड़छाड़ कर रहा था। मनचले किशोर के आए दिन अश्लील हरकतों और गन्दे कमेंट की वजह से परेशान होकर उन्होंने बेटी की पढ़ाई बंद करवा दी और बेटी को अपने साथ काम पर ले जाने लगे। गुरुवार को पिता किशोरी को घर से अपने काम पर साथ ले गए और पत्नी के साथ डा. शकुंतला विवि के आवासी परिसर के टाइप–5 में छोडकर अपने काम पर चला गया। कुछ देर बाद किशोरी की मां काम में व्यस्त हो गयी, इसी दौरान आरोपी किशोर उसका पीछा कर दो मंजिला मकान में पहुंच गया, जहां किशोरी को अकेला पाकर आरोपी किशोर उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। आरोपी के खिलाफ थाने में दी तहरीर किशोरी ने इसका विरोध किया तो आरोपित किशोर ने उसे दो मंजिला मकान से नीचे फेंक दिया और भागने लगा तभी किशोरी की चीख–पुकार सुनकर मकान मालकिन ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस व परिजनों को सूचना देने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के बाद मौके पर पहुंचे पिता ने बेटी को इलाज के लिए पास के ही निजी हास्पिटल में भर्ती कराया और आरोपी किशोर के खिलाफ थाने में तहरीर दी। मामले की जानकारी पर मोहान रोड चौकी इंचार्ज विश्व दीपक ने बताया कि किशोरी का इलाज चल रहा है। पीड़ित पिता ने थाने में तहरीर दी है। एसीपी काकोरी आशुतोष कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर मिली है, किशोरी का इलाज चल रहा है। मामले की जांच की जा रही हैं।

अयोध्या सदर से भाजपा के वेद प्रकाश गुप्ता ने सपा के तेज नारायण को हराकर लहराया भगवा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में भगवान राम की पावन नारी अयोध्या के चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी के वेद प्रकाश गुप्ता को जीत मिली है। उन्होंने 20 हजार से ज्यादा वोटों से तेज नारायण पांडे को हराया है।बता दें कि अयोध्या में पांचवें चरण में 27 फरवरी को मतदान हुआ था।उत्तर प्रदेश में इस बार सात चरणों में चुनाव संपन्न हुए हैं।सरयू नदी के तट पर बसी अयोध्या नगरी का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है।यह अयोध्या लोकसभा क्षेत्र की पांच सीटों में से एक अहम् सीट है।पिछली बार (साल 2017) के विधानसभा चुनावों में यहां से भाजपा के विधायक वेद प्रकाश गुप्ता को जीत मिली थी।उन्होंने समाजवादी पार्टी के तेज नारायण पांडे को हराया था। अयोध्या में इस बार फिर से मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों नेताओं के बीच है।हालांकि, कांग्रेस ने भी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने के लिए पूरा जोर लगा दिया था. हालांकि, कुछ घंटों बाद पता लग जाएगा कि दोनों में से कौन से नेता को फिर से अयोध्या की जनता विधानसभा पहुंचाने जा रही है।पिछले विधानसभा चुनाव में यहां भाजपा ने भारी बहुमत से भगवा लहराया था।भाजपा के प्रत्याशी वेदप्रकाश गुप्ता ने 1 लाख 7 हजार 14 वोट हासिल किए. जबकि सपा के प्रत्याशी तेज नारायण पांडे को 56 हजार वोट ही हासिल हो सके थे।वेद प्रकाश गुप्ता ने करीब 50 फीसदी वोट हासिल किए थे।वहीं, बसपा के मोहम्मद बज्मी सिद्दीकी 39 हजार 554 वोट ही पा सके थे।

भाजपा प्रत्याशी वेद प्रकाश गुप्ता चौथी बार चुनाव लड़ रहे हैं।इससे पहले वेद गुप्ता सपा और बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं।हालांकि, उन्हें सफलता नहीं मिली. 2017 में गुप्ता ने भाजपा का दामन थामा और उनकी झोली में जीत भी आई. 1991 से इस सीट पर भगवा लहरा रहा था लेकिन 2012 में यहां सपा के तेज नारायण पांडेय ने जीत हासिल की थी। जिसके बाद 2017 में फिर से वेद प्रकाश गुप्ता के जरिए भाजपा ने यह सीट अपनी झोली में वापस डाल ली।वही इस बार अंतिम परिणामों में वे फिर बाजी मारी।उन्होने इस बार भी सपा के तेज नारायण पाण्डेय को हराया।

जीत के बाद फिरोजाबाद में बवाल: प्रमाणपत्र में देरी पर भड़के सपाई : पुलिस पर पथराव–फायरिंग : 12 वाहनों के तोड़े शीशे

फिरोजाबाद ब्यूरो : फिरोजाबाद की जसराना विधानसभा सीट से जीत दर्ज कराने वाले सपा प्रत्याशी इंजीनियर सचिन यादव को जीत का प्रमाण पत्र देने में की जा रही देरी से सपा समर्थक आक्रोशित हो गए। उन्होंने पुलिस पर पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। पथराव के चलते पुलिस को बल प्रयोग कर खदेड़ना पड़ा। सपा कार्यकर्ता पथराव करते हुए मतगणना स्थल के गेट तक पहुंच गए थे। इस दौरान हाईवे पर चल रहे 12 वाहनों पर भी सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पथराव किया। महिला एसओ की गाड़ी के भी शीशे तोड़ दिए। बवाल के बाद जिला प्रशासन के अफसरों ने सपा प्रत्याशी सचिन यादव को जीत का प्रमाणपत्र दे दिया गया। जसराना में देर से आया था चुनाव परिणाम जिले के शिकोहाबाद, सिरसागंज, टूंडला और सदर की मतगणना पूरी होने के साथ ही जीते प्रत्याशियों को प्रशासन द्वारा प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया था। वहीं जसराना विधानसभा सभा की मतगणना देर तक होने के कारण उसका परिणाम भी देरी से आया। प्रशासन द्वारा सपा प्रत्याशी सचिन यादव की जीत की घोषणा किए जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा प्रमाण पत्र जारी न किए जाने और भाजपा नेताओं द्वारा री कांउटिंग किए जाने की मांग पर सपा समर्थकों में प्रशासन के प्रति आक्रोश फैल गया। सपा समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन को निशाना बनाते हुए पथराव शुरु कर दिया। हाईवे पर खड़े करीब 12 वाहनों के शीशे तोड़ने के साथ ही रामलीला मैदान के समीप खड़े हथठेले भी पलट दिए। देखते ही देखते मंडी परिसर के आसपास अराजकता का माहौल कायम हो गया। स्थिति बिगड़ती देख प्रशासन मंडी समिति के अंदर मौजूद सपा के पूर्व सांसद अक्षय यादव को बाहर लेकर आई।

अक्षय यादव द्वारा कार्यकर्ताओं को समझाकर शांत कराया गया। तब कहीं जाकर स्थिति सामान्य हो सकी। बैरियर तोड़कर मंडी समिति के गेट तक पहुंचे सपा समर्थक सपा प्रत्याशी सचिन यादव को प्रमाणपत्र देने में प्रशासन द्वारा की जा रही देरी को लेकर जहां सपा कार्यकर्ताओं में आक्रोश फैला था। वहीं सपा समर्थकों ने रामलीला ग्राउंड के समीप और उसके सामने लगे बैरियर को तोड़ दिया। भीड़ के मंडी समिति के गेट पर पहुंचते ही पुलिस को स्थिति नियंत्रण में करने के लिए पथराव भी करना पड़ा था। मारो बचाओ से गूंजा हाईवे पथराव के दौरान करीब 15 मिनट तक हाईवे पर पूरी तरह से अराजकता का माहौल देखने को मिला। जहां सपा समर्थक मारो–मारो की आवाजें लगा रहे थे। वहीं वाहनों में फंसे यात्री अपने बचाव के लिए बचाव बचाव को आवाज लगा रहे थे। इस बीच मतगणना स्थल के समीप बने भवन स्वामियों ने भी अपने दरवाजे अंदर से बंद कर लिए थे। जिससे भीड़ घरों में न घुसे।

दरवाजे में सरिया से छेदकर खोली थी अंदर से बंद कुंडी : दोहरे हत्याकांड की जांच में सामने आया चौंकाने वाला सच

आगरा ब्यूरो : आगरा जिले के बाह कस्बे के गली कल्याण सागर मोहल्ले में बुधवार की रात करीब एक बजे जूता कारोबारी उमेश पैंगोरिया के घर में घुसे पांच बदमाशों ने उनकी पत्नी कुसमा देवी (60), बेटी सविता गुप्ता (40) की हाथ पैर बांधने के बाद मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद घर की अलमारी और बेड के नीचे छुपाकर रखे 27 लाख के कैश समेत 50 लाख रुपये से ज्यादा के गहने लूट ले गए। हत्या और लूट की घटना पर एसएसपी सुधीर कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिंक और डॉग स्क्वैड टीम ने घटनास्थल की जांच की। बदमाशों के परिचित होने का अंदेशा जूता कारोबारी उमेश पैंगोरिया के घर में घुसकर पत्नी और बेटी की हत्या के बाद लूट को अंजाम देने वाले बदमाशों के परिचित होने का अंदेशा पुलिस लगा रही है। दरअसल जिस कमरे में नगदी और जेवरात रखे थे। बदमाशों ने उसी कमरे के दरवाजे में अंदर से लगी कुंडी को सरिया से छेदकर खोला था। आशंका है कि अंदर दाखिल हुए बदमाशों ने पहचाने जाने पर ही कुसमा देवी और सविता की जान ले ली। अनुज को मारपीट कर छोड़ दिया। पहले पति से तलाक के बाद सविता की हुई दूसरी शादी, रह रही थी मायके में करीब 15 साल पहले सविता की शादी अंबाह के गौरव के साथ हुई थी। दोनों के दो बेटे आदित्य और अनुज हैं। तलाक के बाद अनुज के साथ सविता मायके में रह रही थी। उसकी दूसरी शादी करीब डेढ़ साल पहले दिल्ली में रह रहे फिरोजाबाद के युवक से हुई थी। शादी के बाद मायके लौटने के बाद सविता ससुराल वापस नहीं गई थी। नौ महीने पहले सौरभ की गर्भवती पत्नी की हुई थी मौत अभी परिवार नौ महीने पहले सौरभ की गर्भवती पत्नी कंचन की मौत के दुख से उबर नहीं पाया था कि एक बार फिर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है। कंचन के गर्भ में संक्रमण के चलते जच्चा, बच्चा दोनों की जान चली गई थी। दोहरे

हत्याकांड के शोक में बंद रहे बाजार गली कल्याण सागर में मां कुसमा देवी और बेटी सविता गुप्ता की हत्या और लूट की घटना ने कारोबारी समाज को झकझोर दिया है। बृहस्पतिवार सुबह जिसने भी इस घटना के बारे में सुना उमेश पैंगोरिया के घर की ओर दौड़ पड़ा। गम और गुस्से में डूबे परिवार को ढांढस बंधाया। शोक में कस्बे के सभी बाजार बंद रहे। एफआईआर के लिए चेयरमैन की पुलिस से तकरार शुरू से ही पुलिस वारदात को हत्या के एंगल से देख रही थी। कारोबारी उमेश पैंगोरिया और चश्मदीद अनुज से थाने पर जानकारी भी की। पीड़ित परिवार की डकैती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने के लिए पुलिस के आनाकानी पर चेयरमैन सुनील बाबू से तकरार हो गई। चेयरमैन ने पुलिस के आला अधिकारियों से बात की। तब कहीं जाकर पांच की जगह दो बदमाशों के खिलाफ लूट और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।

होली पर्व पर यात्रियों को दिक्कतों का सामना नहीं करना होगा : चलेगी एक जोड़ी साप्ताहिक होली स्पेशल ट्रेनें

आगरा ब्यूरो : होली पर्व पर यात्रियों को दिक्कतों का सामना नहीं करना होगा। रेलवे के द्वारा होली पर्व पर एक जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाए जाने की घोषणा की है। यह ट्रेने गोरखपुर और बांद्रा टर्मिनस के बीच दौड़ेंगे। इस गाड़ी में सभी कोच आरक्षित श्रेणी के होंगे तथा इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों को कोविड 19 के मानकों का पालन करना होगा। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि 05403 गोरखपुर–बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 11, 18, एवं 25 मार्च को गोरखपुर से 05:00 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद से 05:40 बजे, बस्ती से 06:09 बजे, गोंडा से 07:30 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 10:15 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12:20 बजे, कन्नौज से 13:56 बजे, फर्रूखाबाद से 15:18 बजे, कासगंज से 17:15 बजे, मथुरा से 19:25 बजे, अछनेरा से 20:40 बजे, भरतपुर से 21:22 बजे, गंगापुर सिटी से 23:00 बजे, दूसरे दिन कोटा 00:20 बजे, रतलाम से 06:25 बजे, बड़ोदरा 10:30 बजे, भरूच से 11.:38 बजे, सूरत से 12:28 बजे, वापी से 13:32 बजे तथा बोरीवली से 15:07 बजे छूटकर बांद्रा टर्मिनस 16:00 बजे पहुंचेगी । वापसी यात्रा में 05404 बांद्रा टर्मिनस–गोरखपुर साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 12, 19 एवं 26 मार्च को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 20:08 बजे, वापी से 21:52 बजे, सूरत से 23:32 बजे, दूसरे दिन भरूच से 00:20 बजे, बड़ोदरा से 01:30 बजे, रतलाम से 05:15 बजे, नागदा से 06:05 बजे, कोटा से 08:50 बजे, गंगापुर सिटी से 11:00 बजे, भरतपुर से 13:20 बजे, अछनेरा से 14:15 बजे, मथुरा से 15:20 बजे, कासगंज से 17:10 बजे, फर्रूखाबाद से 18:45 बजे, कन्नौज से 20:05 बजे, कानपुर सेंट्रल से 23:40 बजे,

तीसरे दिन लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 01:50 बजे, गोंडा से 04:10 बजे, बस्ती से 05:25 बजे तथा खलीलाबाद से 06:00 बजे छूटकर गोरखपुर 06:45 बजे पहुंचेगी। ट्रेन में साधारण श्रेणी के 20 कोचों सहित कुल 22 कोच लगेंगे । दोहरीकरण कार्य के चलते तीन ट्रेने रहेंगी निरस्त मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि रेलवे प्रशासन द्वारा पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल बलिया सहतवार खंड के दोहरीकरण के कार्यो के कारण तीन गाड़ियों का निरस्तीकरण किया जाएगा। जिनमें 15063 छपरा–लखनऊ जं. एक्सप्रेस 12 मार्च को, 15084 फर्रूखाबाद–छपरा एक्सप्रेस 11 मार्च को एवं 04651 जयनगर–अमृतसर विशेष गाड़ी 18 मार्च को निरस्त रहेगी।

सम्पादक मंडल
पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से में0 प्रभुदयाल प्रकाशन के लिए श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/**R-1**
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।